THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND RROAbCASTING (SHRI K. P. SINGH DEO): (a) No, Sir.

(b) to (e) Do not arise.

विभिन्न क्षेत्रों में विद्युत का उत्पादन

2125. **श्री रामजीलाल** : क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगें कि:

(क) इस वर्ष देश में ताप, पन और परमाणु विद्युत का कितना-कितना उत्पादन होने की संभावना हैं;

(ख) वर्ष 1994-95 के दौरान देश में प्रत्येक विद्युत संयंत्रो ने विद्युत का उत्पादन प्रारम्भ कर दिया हैं और उन्होने कितने मेगावाट विद्युत का उत्पादन किया और विद्युत की राज्य-वार मांग कितनी हैं?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती उर्मिलाबेन चिमनभाई पटेल) : (क) देश में 1995-96 के दौरान श्रेणीवार विद्युत का संभावित उत्पादन निम्नवत हैं:

श्रेणी	1995-96**के दौरान प्रयासित विद्युत उत्पादन (मिलियन यूनिट)**
ताप विद्युत	297000
न्यक्लीय	7850
जल विद्युत	72300
जोड़	377150

(ख) 1994-95 के दौरान संयंत्र भार विद्युत उत्पादन क्षमता और उत्पादित विद्युत का ब्यौरा विवरण अनुपत्र में दिया गया हैं। [देखिये परिशिष्ट 174, अनुपत्र सं. 54]

(ग) ऐसे पांच नए विद्युत उत्पादन संयंत्र और दो जल विद्युत संयंत्र है जिन्होने 1994-95 के दौरान विद्युत उत्पादन की शुरूआत की हैं। ब्यौरा अनुपत्र 2 में दिया गया हैं। 1994-95 के दौरान राज्यवार वस्तुत: विद्युत की मांग का ब्यौरा अनुपात में दिया गया हैं। [देखिये परिशिष्ट 174, अनुपत्र सं. 54]

Funds Raised by SBI

3126. SHRI JAGESH DESAI: Wilt (he Minister of FINANCE be plesed to state:

(a) whether it is a fact that the State Bank of India is planning for a massive fund raising exercise;

(b) if so, how much is the fund expected to be raised and the channels through which the fund is proposed to be raised; and

(c) the purpose for which the fund is esxpected to be raised?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI M.V. CHANDRA SHEKHAR MURTHY): (a) No, Sir.

(b) and (c) Do not arise.

Wet lease of aircrafts

2127. SHRI DINESHBHAI TRIVEDI: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news-item appeared in the "The Telegraph" and the Statesman' on 26th July, 199S regarding wet leasing of aircrafts of Air India/Indian Airlines under the caption "A-l plan to set lease aircraft raise eyebrows:" and "controversy over A-l Airbus deal" respectively;

(b) if so, whether Air India is planning to take on wet lease, a number of aircrafts;

(c) if so, the details and source;

(d) whether Air India has already taken on lease some aircrafts from a company called Caribjet; and

(e) if so, the details of 'Caribjet' as to shareholdings, their Chief Executive, experience of the company etc. balance sheet etc.?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) Air India is considering lease of aircraft for additional capacity deployment and replacement of relatively older

aircraft, until such time that it acquires its own new aircraft. Air India has invited bids for wet/dry lease of medium and large capacity aircraft. Offers received are being evaluated.

(d) and (e) Air India has taken two A 310-300 aircraft on lease from Caribjet one from 25.12.1994 and other from 11.1.1995. Caribjet, a privately held company set up in 1992 has its headquarters and administrative offices in Antigua (West Indies) and Brussels respectively. The company is in the business of wetleasing aircraft to other airlines. The Company has two Managing Directors. Since Caribjet is a privately held company, the details of its shareholding and its balance sheet are not available.

उत्तर प्रदेश में पर्यटन के विकास की योजनाएं

2128. **प्रो. राम बख्श सिंह वर्मा** : क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगें कि:

(क) उत्तर प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने की उन परियोजनाओं का ब्यौरा क्या हैं जो पूरी हो चुकी तथा जो लंबित हैं; और

(ख) प्रत्येक परियोजना पर अब तक कितनी धनराशि व्यय की गई हैं और शेष परियोजनाओं को कब तक पूरा कर लिया जाएगा?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) और (ख) उन 93 परियोजनाओं/स्कीमों में से जिनके लिए 31.3.95 तक 1329.85 लाख रू. की केन्द्रीय वित्तीय सहायता स्वीकृत की गई हैं, अब तक 28 परियोजनाएं/ स्कीमें पूरी हुई हैं।

उत्तर प्रदेश में राज्य में स्वीकृत प्रत्येक परियोजना के लिए अब तक रिलीज की गई राशि के ब्यौरे विवरण में दिए गए हैं (नीचे देखिए)।

लम्बित पड़ी शेष 65 परियोजनाएं निर्माण की विभिन्न अवस्थाओं में हैं। इन परियोजनाओं के पूरा करने के लिए राज्य सरकार ही जिम्मेदार हैं। इन शेष परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने के लिए भारत सरकार राज्य सरकार पर समय-समय पर जोर डालती रही हैं।

विवरण

सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान स्वीकृत और रिलीज वित्तीय सहायता—उत्तर प्रदेश

क्र.सं.	परियोजना का नाम	स्वीकृति का वर्ष	स्वीकृत राशि	रिलीज की गई राशि
1.	कोरबेट, दुधवा और चिल्हा के लिए मिनी बसें और हाथी	1985-86	5.15	5.14
2.	मथुरा में पर्यटक बंगला	-वहीं-	27.64	21.00
3.	गोमती नदी में जलक्रीडांए	-वहीं-	3.16	2.80
4.	लखनऊ महोत्सव	-वहीं-	2.05	2.05
5.	अयोध्या में आपन एअर थिऐटर और मार्गस्थ सुविधाओं के लिए स्टेज	-वहीं-	26.80	13.40
6.	हरिद्वार में कुम्भ मेले के लिए स्वीस कुटीरें	-वहीं-	17.48	15.73
7.	सारनाथ, कुशीनगर, श्रावस्ती और फतेहपुर सीकरी में शोचालय और पीने के पानी की सुविधाएं	-वहीं-	6.00	4.00
8.	गढ़वाज क्षेत्र के लिए फाइबर ग्लास हट्स	1986-87	33.75	32.00
9.	इलाहाबाद में यात्री निवास	-वहीं-	29.42	28.00
10.	कोसी रेस्तरां का नवीनीकरण	-वहीं-	19.80	19.29
				784437